वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

इंदौर। आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्रि के पावन अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अखिल ओदीच्य ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान शर्मा , युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष अभिलेष ठक्कर , ठक्कर श्री एस्टेट के डायरेक्टर मनोज ठक्कर तथा विक्रमादित्य कल्चरल एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आशुतोष सिंह तोमर, विजय शर्मा , बाला कुमार एवं अनुज जी ने भी सहभागिता कर वृक्षारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

विक्रमादित्य कल्चरल एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा वृहद वृक्षारोपण

इंदौर। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित इंदौर के संकल्प के साथ विक्रमादित्य कल्चरल एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा 15 अलवासा गाँव, वैष्णव विद्या कॉलेज के पीछे स्थित पहाड़ी क्षेत्र में वृहद वृक्षारोपण अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लगभग 100 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महासचिव सुरेश सिंह सोंगरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही आशुतोष सिंह तोमर , विजय शर्मा , बाला कुमार , अनुज , अखिल ओदीच्य ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान शर्मा , अभिलेष ठक्कर , श्री एस्टेट के डायरेक्टर एवं प्रदेश अध्यक्ष मनोज ठक्कर , गौसेवक विनय मेव जी, ह्वद्बह्यद्धड्ड तह्ल्श्रह्वश्च से रेणु सोलंकी , टीना राठौर , करणी सेना सचिव चीकू ठाकुर, अंकित पंवार , राज , कुणाल सिलावट , मिलन मेहरा , विक्की एवं विराज उपस्थित रहे।संस्था के जिला समन्वयक श्री विजेंद्र सिंह ठाकुर ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी जिम्मेदारी है।

मेरी खादी, मेरा गौरव थीम पर खादी फैशन शो का आयोजन

इंदौर। मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग, मध्यप्रदेश शासन के तत्वावधान में ग्रामीण हॉट बाजार, ढक्कन वाला कुआं, इंदौर में 'मेरी खादी, मेरा गौरव' थीम पर भव्य खादी फैशन शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य खादी को आधुनिक जीवनशैली एवं फैशन से जोड़ते हुए युवाओं, महिलाओं एवं आमजन को स्वदेशी वस्त्रों के प्रति जागरूक करना तथा आत्मनिर्भर भारत की भावना को सशक्त बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश स्तुति के साथ हुआ। इसके पश्चात 21 प्रतिभागियों ने आकर्षक खादी परिधानों में रैंप पर आत्मविश्वासपूर्ण एवं मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। प्रतिभागियों ने पारंपरिक और आधुनिक खादी परिधानों के सुंदर समन्वय का प्रदर्शन करते हुए यह संदेश दिया कि खादी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, स्वावलंबन, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र गौरव का प्रतीक है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए श्रीमती निशा प्रेम कुमार ने प्रथम, श्रीमती हर्षा तिवारी ने द्वितीय तथा श्रीमती सीमा चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को सम्मानित कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की गई। फैशन शो की समन्वयक एवं एरा एक्जीबिट एंड इंटरप्राइजेज की संस्थापक श्रीमती महक शर्मा ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य खादी को नई पहचान दिलाना तथा युवाओं में इसे फैशन के रूप में लोकप्रिय बनाना है।

21वीं सदी का कड़वा सच: क्या हम एक सुरक्षित भविष्य दे पा रहे हैं?

आज के अखबार 'इंदौर समाचार' (16/07/2026) में छपा 'कार्टून कोना' केवल एक चित्र नहीं, बल्कि हमारे स्वास्थ्य तंत्र की व्यवस्था पर एक गहरा प्रहार है। यह कार्टून हमें आईना दिखा रहा है कि विकास के दावों के बीच हम बुनियादी मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करने में कहाँ विफल हो रहे हैं।

व्यवस्था की विफलता: सुविधाओं का अभाव या असंवेदनशीलता ?

एक तरफ आधुनिक भारत की बात होती है, वहीं दूसरी ओर यह खबर कि एक गर्भवती महिला को अस्पताल तक पहुँचने के लिए 'झोलिया' का सहारा लेना पड़ा और फिर 'बाइक' से यात्रा करनी पड़ी, प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करती है। क्या हमारे पास सुदूर क्षेत्रों में एंबुलेंस की भी व्यवस्था नहीं है?

यह दृश्य केवल एक भौगोलिक मजबूरी नहीं, बल्कि सरकारी तंत्र की उस लापरवाही को दर्शाता है जहाँ समय पर सहायता न मिलने से जीवन और मृत्यु के बीच की रेखा बेहद धुंधली हो जाती है।

टैक्स का पैसा कहाँ गया ?

जनता का खून-पसीने की कमाई का टैक्स इस उम्मीद में दिया जाता है कि देश में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। लेकिन जब हम सुनते हैं कि इलाज के दौरान इंजेक्शन में दवा की जगह पानी होने के कारण पाँच गर्भवती महिलाओं की मौत हो गई, तो मन में स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि जनता के टैक्स का वास्तव में क्या उपयोग हो रहा है? क्या स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था इतनी कमजोर हो चुकी है कि जान बचाने वाली दवाओं की जगह जहर या पानी जैसी चीजें वितरित की जा रही हैं?

आने वाली पीढ़ी का सवाल

कार्टून में गर्भस्थ शिशु का प्रश्नः 'मां, 21वीं सदी में भी भारत में गर्भवती महिलाओं का ये हाल है, मां मैं अच्छे से जन्म ले पाऊंगा न?' यह समाज और सत्ता के गलियारों में बैठे हर जिम्मेदार व्यक्ति के लिए एक चुनौती है।

जिम्मेदारीः क्या हम आने वाले बच्चों को वह सुरक्षित माहौल दे पा रहे हैं जिसके वे हकदार हैं?

जवाबदेहीः क्या इन मौतों और दुर्दशा के लिए किसी की जवाबदेही तय होगी?

सुधारः दिखावटी विकास की चमक से इतर, क्या जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जाएगा? यह समय संवेदनशीलता और ठोस कार्रवाई का है। यदि हम अपनी माताओं को सुरक्षित प्रसव और सम्मानजनक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं दे सकते, तो हम एक सभ्य समाज के रूप में खुद को कैसे सिद्ध करेंगे? यह कार्टून केवल एक आक्रोश नहीं, बल्कि एक चेतावनी है कि अब व्यवस्था को अपनी प्राथमिकताएं बदलनी होंगी।

राजेश निगम
म. प्र. प्रदेश अध्यक्ष
भारतीय पत्रकार सुरक्षा परिषद

राठौर क्रांति ग्रुप ने किया बुजुर्ग दंपत्ति का भव्य सम्मान....

इंदौर। भारतीय संस्कृति में परिवार के बुजुर्गों का सम्मान सर्वोच्च परंपराओं में से एक माना जाता है। इन्हीं गौरवशाली परंपराओं में 'स्वर्ण सीढ़ी समारोह' का विशेष महत्व है। यह आयोजन उस शुभ अवसर पर किया जाता है जब परिवार के बुजुर्ग दंपत्ति दादा-दादी से आगे बढ़कर परदादा-परदादी बनने का सौभाग्य प्राप्त करते है।

इसी पावन अवसर पर ओंकारलाल राठौर हेड साहब एवं श्रीमती मांगीबाई राठौर के स्वर्ण सीढ़ी समारोह का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। राठौर क्रांति ग्रुप के संस्थापक विनोद राठौर 'दादा', उज्जैन राठौर समाज के वरिष्ठ समाजसेवी भेरूलाल राठौर ने इस अवसर पर बुजुर्ग दंपत्ति का पुष्पमाला एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मान किया। युवा समाजसेवी गोविंद राठौर ने बताया कि यह भव्य आयोजन राजेश राठौर 'बच्चन साहब' के पुत्र राहुल राठौर एवं समस्त परिवारजनों द्वारा अत्यंत गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर भाजपा कुशाभाऊ ठाकरे मंडल मंत्री चेतन राठौर, हातोद नगर की पूर्व पार्षद मधु तेजप्रकाश राठौर, समाज सेवी श्याम देवड़ा, पार्षद पति हिमांशु लव पटेल, राहुल राठौर, भोलेनाथ के परमभक्त सुरेश राठौर, शुभम राठौर, शंकर लाल राठौर , गोलु राठौर सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाजजन उपस्थित रहे। उक्त जानकारी गोविंद राठौर ने दी।

मुनि पुंगव 108 सुधा सागर जी महामुनिराज के संभावित चातुर्मास हेतु आवश्यक बैठक आयोजित की गई

इंदौर। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य जगत पूज्य मुनि पुंगव श्री 108 सुधा सागर जी महा मुनिराज का वर्ष 2026 का पावन चातुर्मास इंदौर में होने की संभावना है। इस भव्य ऐतिहासिक चातुर्मास की तैयारी एवं सफल आयोजन हेतु एक अति आवश्यक बैठक बुधवार 15 जुलाई को रात्रि 7:30 बजे जाल सभागृह में आयोजित की गई।

दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि इस बैठक में सभी दिगंबर जैन मंदिरों के अध्यक्ष, मंत्री, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी गण, महिला मंडल की सदस्याएं एवं सभी युवा संगठन के साथी सम्मिलित हुए। इस मीटिंग के निवेदक थे सकल दिगंबर जैन समाज इंदौर । अशोक दोशी , गिरीश जैन , गिन्नी , धर्मेंद्र जैन सिनकेम, आकाश जैन, कोल। सभी का एक मत था कि यह भव्य आयोजन तभी सफल होगा जब इंदौर की समस्त संस्थाएं एक परिवार की भावना से एक मंच पर एकत्रित होकर कार्य करेंगी। इस अवसर पर श्री अशोक बड़जात्या , ब्रह्म. अनिल भैया जी, सामाजिक संसद के अध्यक्ष ,विनय बाकलीवाल, कार्याध्यक्ष सौरभ पाटोदी,मंत्री देवेंद्र सोगानी, कैलाश वेद, डी के जैन, जैनेश झांझरी, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री महावीर जैन, सुभाष सामरिया, नकुल पाटोदी, आर के जैन एक्स. श्रीमती रानी डोशी, छाया जैन, मुकेश टोंग्या, हेमंत जैन, रवि जैन ,नीरज जैन, अजय जैन, पी सी जैन, श्रीपाल जैन, अनिल जैन' जैनको ' सहित बहुत अधिक संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

स्मार्ट स्टडी और माइंड पावर से ही मिलेगी सफलता

इंदौर। महाराजा यशवंतराव स्कूल, नरेंद्र तिवारी मार्ग, इंदौर में विद्यार्थियों के बैज वितरण एवं शपथ ग्रहण समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर, माइंड ट्रेनर एवं चिकित्सक डॉ. महेन्द्र सिंह होरा ने विद्यार्थियों को सफलता के गुर बताते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल हार्ड वर्क ही नहीं, बल्कि स्मार्ट स्टडी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी यदि अपने बॉडी पावर और माइंड पावर का सही उपयोग करें तो वे कम समय में अधिक प्रभावी ढंग से अध्ययन कर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

डॉ. होरा ने विद्यार्थियों को सफलता का सात सूत्रीय मंत्र देते हुए कहा–

अपना लक्ष्य स्पष्ट रूप से निर्धारित करें।

अपने लक्ष्य को लिखकर दस्तावेज़ित करें।

लक्ष्य प्राप्त करने की प्रबल इच्छा विकसित करें।

स्वयं पर पूर्ण विश्वास रखें कि आप अपना लक्ष्य अवश्य प्राप्त करेंगे।

प्रतिदिन शांत होकर अल्फा स्टेट ऑफ माइंड में अपने लक्ष्य की सजीव कल्पना करें।

इस अभ्यास को नियमित रूप से दोहराएँ।

अपने लक्ष्य के अनुरूप निरंतर एवं सही दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा कि 'जब लक्ष्य स्पष्ट हो, विश्वास अटूट हो, मन शांत हो और कर्म सही दिशा में हों, तब सफलता निश्चित होती है।'

उन्होंने विद्यार्थियों से प्रतिदिन कुछ मिनट ध्यान , सकारात्मक संकल्प तथा विजुअलाइज़ेशन का अभ्यास करने का आग्रह किया, जिससे उनकी एकाग्रता, स्मरण शक्ति, आत्मविश्वास और परीक्षा प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है। समारोह में विद्यार्थियों को विद्यालय के बैज प्रदान किए गए तथा उन्हें विद्यालय की गरिमा, अनुशासन, ईमानदारी, राष्ट्रप्रेम एवं उत्कृष्ट नागरिक बनने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती निशी शर्मा, सचिव श्री संजय कड़, सहसचिव श्री दीपक वालेकर, ट्रस्टी श्री अशोक भागवत सहित अन्य ट्रस्टीगण, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. होरा के प्रेरणादायक उद्बोधन की सराहना की तथा इसे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं उपयोगी बताया।

101 सीटें खाली रहीं इंदौर-अबुधाबी की पहली ही अंतरराष्ट्रीय उड़ान में

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की मांग तो लगातार की जाती है, मगर एक समस्या यह है कि विमान कम्पनियों को पर्याप्त यात्री नहीं मिलते। इंदौर–दुबई उड़ान तो सफल थी, जिसे बंद कर दिया। उसके बाद शारजहां और अब अबूधबी की इंदौर से अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू हुई। कल शाम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसका शुभारंभ किया और पहली उड़ान को झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्टून कोना

इंडक्शन प्रोग्राम के साथ नरसी मुंजी इंदौर ने MBA Batch का स्वागत किया

इंदौर। एसवीकेएम के नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ , इंदौर ने अपने इंडक्शन एंड फाउंडेशन प्रोग्राम के माध्यम से MBA Batch 2026–2028 का स्वागत किया।

आज जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और कार्यस्थलों की बदलती अपेक्षाएँ वैश्विक उद्योगों को नई दिशा दे रही हैं, तब उच्च शिक्षण संस्थान भी विद्यार्थियों को फ्यूचर ऑफ वर्क के लिए तैयार करने हेतु अपने शिक्षण मॉडल को लगातार विकसित कर रहे हैं। ह्वद्धह्वस्र में यह दृष्टिकोण एक ऐसे शैक्षणिक वातावरण के माध्यम से साकार होता है, जो कठोर अकादमिक अध्ययन को अनुभवात्मक शिक्षण पद्धति, इंडस्ट्री सहयोग, इंटरडिसिप्लिनरी एक्सपोज़र और टेक्नोलॉजी-ड्रिवन एजुकेशन के साथ जोड़ते हुए विद्यार्थियों की एम्प्लॉयबिलिटी, लीडरशिप स्किल्स और लाइफलॉन्ग लर्निंग को सशक्त बनाता है। इंडक्शन प्रोग्राम के दौरान विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक संरचना, कैंपस संस्कृति, स्टूडेंट सपोर्ट इकोसिस्टम, इंडस्ट्री एंगेजमेंट के अवसरों तथा उन संस्थागत मूल्यों से परिचित कराया गया, जो आगामी दो वर्षों की उनकी MBA यात्रा का मार्गदर्शन करेंगे। डॉ. अंशुमान जैसवाल, डायरेक्टर, ह्वद्धह्वस्र इंदौर ने कहा, MBA केवल एक डिग्री नहीं, बल्कि एक ऐसी यात्रा है जो आपके दृष्टिकोण को व्यापक बनाती है, चुनौतियों का सामना करना सिखाती है और निरंतर विकास के अवसर प्रदान करती है। आने वाले दो वर्षों में विद्यार्थियों को अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलने, नए अनुभवों को अपनाने और कैंपस द्वारा उपलब्ध हर अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इंडक्शन प्रोग्राम के माध्यम से हमारी कोशिश है कि विद्यार्थी बेहतर प्रश्न पूछना सीखें, नए विचारों केप्रति खुले रहें और यह समझें कि मैनेजमेंट की वास्तविक शिक्षा कक्षा की सीमाओं से कहीं आगे तक जाती है। इस दौरान बनने वाले अनुभव, संवाद और रिश्ते उनके साथ स्नातक होने के बाद भी लंबे समय तक बने रहेंगे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा,आज बदलाव की गति पहले से कहीं अधिक तेज़ है और आने वाला समय उन्हीं पेशेवरों का होगा जो लगातार सीखते रहें, परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालते रहें और निरंतर विकसित होते रहें। तकनीकी ज्ञान हमेशा महत्वपूर्ण रहेगा, लेकिन जिज्ञासा, अनुकूलनशीलता और नई क्षमताएँ विकसित करने की इच्छा भी उतनी ही आवश्यक होगी। जो पेशेवर डोमेन एक्सपर्टीज़ को रिस्पॉन्सिबल लीडरशिप और बदलते समय के साथ स्वयं को विकसित करने की क्षमता के साथ जोड़ पाएँगे, वे लगातार बदलती वैश्विक परिस्थितियों में सबसे बेहतर प्रदर्शन करेंगे। इंडक्शन प्रोग्राम के दौरान विद्यार्थियों को कंसल्टिंग, टेक्नोलॉजी, फाइनेंस, हेल्थकेयर, ह्यूमन रिसोर्सेज़ और बिजनेस लीडरशिप जैसे विविध क्षेत्रों का व्यापक अनुभव रखने वाले वरिष्ठ इंडस्ट्री लीडर्स, उद्यमियों और शिक्षाविदों से संवाद का अवसर मिला।